भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2450

सोमवार, 15 दिसंबर, 2025/24 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

वन्यजीव और वन पर्यटन को बढ़ावा देना

2450. श्री ज्ञानेश्वर पाटीलः

डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगेः

श्री संदिपनराव आसाराम भुमरेः

श्री निलेश ज्ञानदेव लंकेः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में विशेषकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में वन्यजीव और वन पर्यटन की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं;

(ख) यदि हां, तो महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में पर्यटन की संभावनाओं का दोहन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) वन्यजीव और वन पर्यटन की खोज के लिए महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों को इको-पर्यटन के प्रमुख गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए कौन से उपाय प्रस्तावित/कार्यान्वित किए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय अलग-अलग पहलों के द्वारा भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। अपनी जारी गतिविधियों के हिस्से के रूप में यह मंत्रालय महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित देश के जंगल वाले इलाकों में वन्यजीव पर्यटन का भी संवर्धन करता है। पर्यटन मंत्रालय अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रमोशन के द्वारा भी नियमित रूप से वन्यजीव पर्यटन का संवर्धन करता है।

देश में वन्यजीव पर्यटन के विकास को बढ़ावा देने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने इको-पर्यटन के विकास के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति बनाई है, जिसे राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को भेजा गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास के लिए कुछ विषयों से जुड़े परिपथ चुने हैं, जिनमें वन्यजीव और इको परिपथ शामिल हैं। इन परिपथों में देश के राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य और रिज़र्व शामिल हैं। केंद्रीय वित्तीय सहायता, दिशा-निर्देशों के अनुसार और राज्य सरकारों तथा संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से मिले प्रस्तावों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर दी जा रही है। अलग-अलग राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में स्वदेश दर्शन योजना के इको और वन्यजीव परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

****

अनुबंध

श्री ज्ञानेश्वर पाटील, डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे, श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे और श्री निलेश ज्ञानदेव लंके द्वारा वन्यजीव और वन पर्यटन को बढ़ावा देना के संबंध में दिनांक 15.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 2450 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के इको और वन्यजीव परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है:

इको परिपथ **(करोड़ रु. में)**

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	झारखंड	इको परिपथ 2018-19	इको पर्यटन परिपथ: दलमा - बेतला राष्ट्रीय उद्यान - मिरचैया - नेतरहाट का विकास	30.44
2.	केरल	इको परिपथ 2015-16	पथनमथिट्टा-गवी- वागामोन - थेक्कडी का विकास	64.08
3.	मध्य प्रदेश	इको परिपथ 2017-18	गांधीसागर बांध-मंडलेश्वर बांध-ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध-तवा बांध- बरगी बांध - भेड़ाघाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	93.76
4.	मिजोरम	इको परिपथ 2016-17	इको-एडवेंचर परिपथ आइजोल -रावपुइचिप - खवफाप - लेंगपुई - चटलांग-सकाव्रहमुइटुइतलांग - मुथी - बेराटलांग - तुइरियल एयरफील्ड - हमुइफांग का विकास	66.37
5.	तेलंगाना	इको परिपथ 2015-16	महबूबनगर जिले में इको पर्यटन परिपथ का विकास	91.62
6.	उत्तराखंड	इको परिपथ 2015-16	टिहरी झील और निकटवर्ती क्षेत्रों का नए गंतव्य के रूप में विकास के लिए इको-पर्यटन, एडवेंचर स्पोर्ट्स और संबद्ध पर्यटन संबंधी अवसंरचना का एकीकृत विकास - जिला टिहरी	69.17

वन्यजीव परिपथ **(करोड़ रु. में)**

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	असम	वन्यजीव परिपथ 2015-16	मानस - प्रोबितोरा - नामेरी - काजीरंगा - डिब्रू - सैखोवा का विकास	94.68
2.	मध्य प्रदेश	वन्यजीव परिपथ 2015-16	पन्ना-मुकुंदपुर-संजय-दुबरी- बांधवगढ़-कान्हा - मुक्की - पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	92.10

****